सांध्य दैनिक
4PM

एक छोटी सी मोमबत्ती का प्रकाश कितनी दूर तक जाता है, इसी तरह इस बुरी दुनिया में एक अच्छा काम चमचमाता है।

-विलियम शेक्सपीयर

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 7 ● अंकः 283 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, शनिवार, 20 नवम्बर, 2021

स्वच्छता रैंकिंग में 12वें नंबर... 8 | कृषि कानूनों को वापस लेकर... 3 | भाजपा चुनाव बाद फिर ले आएगी... 7

शहीद किसानों के मुआवजे पर सियासत तेज, किसान बोले

हमें चाहिए एमएसपी कानून

भाजपा सांसद वरूण गांधी भी एमएसपी कानून के पक्ष में

» विपक्ष ने कहा- न्यूनतम समर्थन मूल्य के लिए बने कानून और किसानों पर दर्ज केस लिए जाएं वापस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा तीन काले कृषि कानून वापस लेने के बाद अब भाजपा के लिए एक और बड़ी मुसीबत खड़ी हो गई है। राकेश टिकैत सहित देश के किसानों ने एमएसपी पर कानून बनाने की मांग की है। किसान नेता राकेश टिकैत ने स्पष्ट रूप से कहा आंदोलन तभी खत्म करेंगे जब सरकार एमएसपी के साथ किसानों के दूसरे मुद्दों पर भी बातचीत करे।

वहीं भाजपा सांसद वरूण गांधी ने एमएसपी कानून के पक्ष में किसानों का समर्थन किया है। उन्होंने इसके लिए बाकायदा पीएम मोदी को पत्र लिखा है। विपक्ष ने आंदोलन में शहीद हुए किसानों को कम से कम एक करोड़ मुआवजा देने की मांग की है। विपक्ष का कहना है कि कृषि कानूनों की वापसी मोदी के अहंकार की हार है। अब आंदोलन में शहीद हुए किसानों के परिवार को एक-एक करोड़ मुआवजा, सरकारी नौकरी और शहीद का दर्जा दिया जाए तो ही देश के किसान प्रधानमंत्री को माफ कर पाएंगे। मायावती ने भी कहा कि न्यूनतम समर्थन मूल्य के लिए कानून बने और किसानों पर दर्ज केस वापस लिए जाएं तो ही किसान खुश होंगे।

एक करोड़ का मुआवजा दिया जाए

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के सांसद वरुण गांधी ने किसानों से जुड़े एमएसपी के मुद्दों पर प्रधानमंत्री मोदी को पत्र लिखा है। उन्होंने पीएम मोदी से न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर कानून बनाने की मांग की है। साथ ही उन्होंने सरकार से आंदोलन के दौरान जान गंवाने वाले किसानों के लिए 1-1 करोड़ रुपये के मुआवजे की घोषणा करने की अपील की है। वरुण ने लिखा कि इस आंदोलन के दौरान 700 से ज्यादा किसान 'शहीद' हो गए हैं और यह फैसला पहले ही ले लिया जाना चाहिए था। उन्होंने लिखा आंदोलन के दौरान शहीद होने वाले हमारे किसान भाई-बहनों के परिवारों के प्रति सांत्वना जताने के दौरान, प्रत्येक के लिए एक करोड़ के मुआवजे की घोषणा की जाए।

किसानों के साथ हैं तो टेनी को करें बर्खास्त

कांग्रेस की यूपी प्रभारी प्रियंका गांधी ने लखीमपुर में किसानों को रौंदने की घटना को लेकर प्रधानमंत्री मोदी को पत्र लिखा है। पीएम से कहा है कि यदि सच्चे हृदय से किसानों के साथ हैं तो लखीमपुर कांड के आरोपित के पिता केंद्रीय गृह राज्यमंत्री अजय मिश्र टेनी को बर्खास्त करें। गृहमंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा केंद्रीय गृह राज्यमंत्री के साथ मंच साझा किए जाने का भी जिक्रपत्र में किया है। उन्होंने प्रधानमंत्री से भी अपील की है कि उनके साथ मंच साझा न करें। प्रियंका गांधी ने पत्र में आगे लिखा कि मैं लखीमपुर कांड के पीड़ित परिवारों से मिली हूं। वे असहनीय पीड़ा में हैं। सभी परिवारों का कहना है कि वे सिर्फ न्याय चाहते हैं और टेनी के पद पर बने रहते न्याय संभव नहीं है। वहीं कांग्रेस किसानों के समर्थन में आज पूरे प्रदेश में किसान विजय दिवस मना रहा है।

किसानों को शहीद का दर्जा दिया जाए

आम आदमी पार्टी से राज्यसभा सांसद व यूपी प्रभारी संजय सिंह ने किसानों का समर्थन करते हुए कहा कि कृषि कानून वापसी मोदी के अहंकार की हार है। प्रधानमंत्री मोदी को अब एक और घोषणा करनी चाहिए कि आंदोलन में शहीद हुए किसानों के परिवार को एक-एक करोड़ मुआवजा मिलेगा। साथ ही सरकारी नौकरी और शहीद का दर्जा दिया जाएगा। तभी किसानों को उचित न्याय मिल पाएगा।

किसान बिल वापस लेना भाजपा का चुनावी स्टंट

समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और सांसद रामगोपाल यादव ने कहा किसान बिल वापस लेना भाजपा का चुनावी स्टंट है। उन्होंने कहा कि माफी मांगने से क्या किसान वापस जिंदा हो जाएंगे जो आंदोलन में शहीद हुए। उन्होंने कहा भाजपा से ज्यादा देश को किसी ने भ्रमित और धोखे में नही रखा। उन्होंने कहा यूपी में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव में बीजेपी बुरी तरह से हार रही है।

पुलिस प्रमुखों को पीएम मोदी दे रहे सुरक्षा का मंत्र

» डीजीपी कॉन्फ्रेंस में शामिल हुए प्रधानमंत्री व शाह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राजधानी में है। वे सुबह-सुबह ही लखनऊ के गोमतीनगर में आयोजित डीजीपी कॉन्फ्रेंस में शामिल होने के लिए पहुंच गए हैं। कॉन्फ्रेंस रात आठ बजे तक चलेगी। प्रधानमंत्री लंच और डिनर डीजीपी मुख्यालय में ही करेंगे। पीएम मोदी सम्मेलन के समापन समारोह में शामिल होने के बाद कल दिल्ली रवाना होंगे।

इससे पहले कल रात लखनऊ पहुंचे प्रधानमंत्री का एयरपोर्ट पर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत कई नेताओं ने स्वागत किया। पीएम मोदी ने रात्रि विश्राम राजभवन में किया। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने उनका स्वागत किया। मोदी ने राजभवन में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की।

पुलिसिंग को नहीं होना चाहिए राजनीति का शिकार : शाह

डीजीपी कॉन्फ्रेंस में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने साफ शब्दों में कहा कि पुलिसिंग और राजनीति अलग-अलग है। पुलिसिंग को राजनीति का शिकार नहीं होना चाहिए। उन्होंने केन्द्र व राज्यों की एजेंसियों में बेहतर तालमेल पर जोर दिया। उन्होंने सोशल मीडिया को लेकर कहा कि ऐसी पोस्ट जो कानून व्यवस्था को प्रभावित करने वाले होते हैं, उनसे सख्ती से निपटा जाए।

मंच साझा कर घिरे अजय मिश्र टेनी

डीजीपी कॉन्फ्रेंस में जब अमित शाह के साथ केंद्रीय गृह राज्यमंत्री अजय मिश्र टेनी ने मंच साझा किया तो विपक्ष हमलावर हो गया। विपक्ष ने कहा किसानों को कुचलने वाला मंच पर है। इससे अंदाजा लगाइए कि भाजपा किसानों के साथ किस तरह खड़ी है।

जल्द देश की रक्षा जरूरतों का 90 फीसदी सामान होगा मेड इन इंडिया : राजनाथ सिंह

» सेना के कमांडरों के साथ बंद कमरे में की बैठक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। झांसी में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि मैं देश को आश्वस्त करना चाहता हूं कि वह दिन जल्द आएगा जब देश की रक्षा जरूरतों के 90 फीसदी उपकरण भारत में बनेंगे। राजनाथ सिंह ने कल झांसी में पीएम मोदी के साथ यूपी डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के झांसी नोड में भारत डायनामिक्स लिमिटेड की रक्षा उपकरण इकाई एवं अल्ट्रा मेगा सोलर पावर पार्क का शिलान्यास किया।

उधर सेना के शीर्ष कमांडरों ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को लद्दाख में गतिरोध वाले स्थान पर भारत द्वारा दावा की गई लाइनों से चीन के पीछे हटने से बार-बार इनकार करने की सूचना दी। बता दें कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को पूर्वी लद्दाख के रेजांग ला में एक पुनर्निर्मित वॉर मेमोरियल का उद्घाटन किया, जो समुद्र तल से 18000 फीट की ऊंचाई पर स्थित है। इसी जगह मेजर शैतान सिंह के नेतृत्व में 13 कुमांयू रेजिमेंट की कंपनी के जवानों ने 1962 में चीनी सैनिकों का बहादुरी से मुकाबला किया था। इस दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सेना के उत्तरी कमान के कमांडरों के साथ बंद कमरे में बैठक की। कमांडरों ने राजनाथ सिंह को चीन द्वारा देपसांग मैदान और हॉट स्प्रिंग्स के कब्जे वाले क्षेत्रों से पीछे हटने से इनकार करने की सूचना दी। एक अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि ये बैठक एक घंटे से अधिक समय तक चली। इस दौरान कमांडरों ने एक पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन दिया और रक्षा मंत्री को भारत द्वारा दावा किए गए लाइनों के भीतर गतिरोध वाले स्थानों पर बड़े पैमाने पर चीनी जमावड़े के बारे में अवगत कराया। बैठक के दौरान कमांडरों ने बताया कि कैसे चीनी सैनिकों ने एयरबेस और सैन्य शिविरों का निर्माण करके गतिरोध वाले स्थानों पर अपनी स्थिति को मजबूत किया है। वहीं मंत्रालय के एक अन्य अधिकारी ने जानकारी देते हुए कहा कि राजनाथ सिंह ने कमांडरों से कहा कि भारत इस मामले को फिर से चीनी सेना के साथ अगली सैन्य और राजनयिक वार्ता के दौरान उठाएगा।

25 नवंबर को सीतापुर जाएंगे राजनाथ सिंह

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 25 नवंबर को लखनऊ आएंगे। सूत्रों के अनुसार भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा 22 नवंबर को गोरखपुर और 23 को कानपुर क्षेत्र के बूथ अध्यक्षों के सम्मेलन में शामिल होकर उनका हौसला बढ़ाएंगे। इसी तरह अमित शाह को यह जिम्मा सौंपे जाने के विशेष मायने हैं। वह पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ ही उत्तर प्रदेश के प्रभारी भी रह चुके हैं। बूथ अध्यक्षों से सीधे रूबरू होने की राजनीतिक परंपरा उन्होंने ही 2014 के लोकसभा चुनाव में शुरू की थी। इन दो क्षेत्रों में कुल 136 विधान सभा सीटें हैं। कृषि कानून विरोधी आंदोलन की वजह से पश्चिम को चुनौतीपूर्ण माना जा रहा है, इसलिए कुशल रणनीतिकार के तौर पर अमित शाह यहां के बूथ अध्यक्षों को रण-कौशल सिखाएंगे। हालांकि अभी उनके कार्यक्रम तय नहीं हो सके हैं। इसी तरह काशी और अवध के लिए राजनाथ सिंह को काफी प्रभावी माना जा रहा है। वह खुद मूल निवासी काशी के चंदौली के हैं और उनका लोकसभा क्षेत्र अवध में है। दोनों ही क्षेत्रों में उनकी मजबूत पकड़ के साथ निचले स्तर तक कार्यकर्ताओं से जुड़ाव है। अनुभवी राजनाथ 25 नवंबर को अवध का सम्मेलन सीतापुर में करेंगे, जबकि काशी के लिए जौनपुर को चुना है, जहां वह 27 को सम्मेलन करेंगे।

चुनावों में हार दिखने लगी तो वापस लिया कानून : प्रियंका

» कांग्रेस महासचिव ने पीएम मोदी पर कसा तंज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने पीएम मोदी के कृषि कानून वापस लेने पर हमला बोला है। उन्होंने मोदी के इस फैसले पर कई सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार के मंत्रियों ने किसानों को क्या-क्या नहीं कहा? आंदोलनजीवी, गुंडे, आतंकवादी, देशद्रोही- इन सबको किसने बुलाया? जब यह सब कहा जा रहा था, तो पीएम चुप क्यों थे? प्रियंका गांधी ने पीएम मोदी द्वारा दिए गए बयान पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि उन्होंने खुद आंदोलनजीवी शब्द का इस्तेमाल किया है।

प्रियंका गांधी ने ट्वीट कर पीएम मोदी के फैसले पर तंज कसते हुए कहा कि सरकार द्वारा लाए गए कृषि कानून के बाद 600 से अधिक किसानों की शहादत हो गई और 350 से अधिक दिनों तक जब किसान संघर्ष कर रहे थे, तब पीएम मोदी को कोई परवाह नहीं थी। साथ ही प्रियंका गांधी ने लखीमपुर में पीएम मोदी की चुप्पी पर भी प्रश्न उठाया। कांग्रेस की उत्तर प्रदेश प्रभारी प्रियंका गांधी कृषि कानून वापस लेने के बाद से लगातार पीएम मोदी पर निशाना साध रही हैं। उन्होंने कहा कि कृषि कानून का विरोध कर रहे किसानों पर लाठियां बरसायीं गई, उन्हें गिरफ्तार किया गया और अब जब चुनाव में हार दिखने लगी, तो मोदीजी को अचानक इस देश की सच्चाई समझ में आने लगी है। प्रियंका गांधी ने कहा कि यह देश किसानों ने बनाया है, यह देश किसानों का है, किसान ही इस देश का सच्चा रखवाला है और कोई सरकार किसानों के हित को कुचलकर इस देश को नहीं चला सकती। उन्होंने सरकार का दोहरा चरित्र बताते हुए कहा कि आपकी नीयत और आपके बदलते हुए रुख पर विश्वास करना मुश्किल है। किसान की सदैव जय होगी। जय जवान, जय किसान, जय भारत।

राज्य निर्वाचन आयुक्त का कार्यकाल बढ़ाने का रास्ता साफ

» नियमावली में संशोधन, दो साल बढ़ाई गई अधिकतम आयु सीमा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश सरकार ने राज्य निर्वाचन आयुक्त पंचायत एवं स्थानीय निकाय मनोज कुमार का कार्यकाल बढ़ाने के लिए नियमावली में संशोधन संबंधी प्रस्ताव को कैबिनेट बाई सर्कुलेशन मंजूरी दे दी है। कार्यकाल बढ़ने से मनोज विधानसभा चुनाव बाद 2022 में होने वाले नगरीय निकाय चुनाव भी करा सकेंगे। सरकार ने 1982 बैच के आईएएस अधिकारी मनोज कुमार को जनवरी 2018 में प्रदेश का मुख्य निर्वाचन आयुक्त नियुक्त किया था। वे 60 वर्ष की उम्र पूरी करने के बाद फरवरी 2014 में प्रशासनिक सेवा से सेवानिवृत्त हुए थे।

मौजूदा नियमावली के अनुसार उनका कार्यकाल छह वर्ष एवं अधिकतम 68 वर्ष है। इस तरह उनका कार्यकाल फरवरी 2022 में खत्म हो रहा है। फरवरी में ही विधानसभा चुनाव प्रस्तावित हैं। ऐसे में तब नए आयुक्त की नियुक्ति संभव नहीं होगी। दूसरा, नगरीय निकाय सामान्य निर्वाचन 2022 से पूर्व नगरीय निकाय की मतदाता सूची भी तैयार की जानी है। यह कार्यवाही समय से हो लिहाजा मौजूदा आयुक्त का कार्यकाल बढ़ाने का फैसला किया गया। पंचायतीराज विभाग ने इसके लिए राज्य निर्वाचन आयोग (पंचायतराज और स्थानीय निकाय, नियुक्ति और सेवा की शर्तें) नियमावली में संशोधन का प्रस्ताव किया था। इसके तहत आयुक्त का कार्यकाल छह वर्ष व अधिकतम 68 वर्ष के स्थान पर छह वर्ष व अधिकतम आयुसीमा 70 वर्ष करने का प्रस्ताव किया था, जिसे कैबिनेट ने बाई सर्कुलेशन मंजूरी दे दी है। नियमावली में संशोधन से मनोज का कार्यकाल दो वर्ष और बढ़ जाएगा। अब वे जनवरी 2024 में 70 वर्ष की उम्र पूरी होने तक अपने पद पर बने रह सकेंगे।

मनमाफिक आयुक्त के लिए अब तक कई बार नियमों में बदलाव

राज्य सरकारें पंचायत व नगरीय निकाय के चुनावों में मनमाफिक आयुक्त बनाए रखना चाहती हैं। इसके लिए अब तक तीन बार आयुक्तों का कार्यकाल घटाया-बढ़ाया जा चुका है। शासन ने 1994 में राज्य निर्वाचन आयोग (पंचायतराज और स्थानीय निकाय, नियुक्ति और सेवा की शर्तें) नियमावली बनाई थी। पहले आयुक्त का कार्यकाल 7 वर्ष की अवधि व अधिकतम 67 वर्ष आयुसीमा थी। इसके बाद इसे घटाकर पांच वर्ष व अधिकतम आयुसीमा 65 वर्ष कर दी गई। वर्ष 2014 में संशोधन के जरिए आयुक्त का कार्यकाल 6 वर्ष व अधिकतम 68 वर्ष किया गया। अब नए संशोधन में अधिकतम उम्र सीमा 70 वर्ष कर दी गई है।

कांग्रेस ने उत्तराखंड, मणिपुर और गोवा में गठित की स्क्रीनिंग कमेटियां

» पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत होंगे पदेन सदस्य

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस ने उत्तराखंड, मणिपुर और गोवा में आगामी विधानसभा चुनावों के लिए स्क्रीनिंग कमेटियों का गठन किया है। इसमें मणिपुर में जयराम रमेश को चेयरमैन के तौर पर जिम्मेदारी दी गई है। वहीं गोवा में रजनी पाटिल को स्क्रीनिंग कमेटी का अध्यक्ष बनाया गया है। उत्तराखंड के लिए पूर्व महासचिव अविनाश पांडे की अध्यक्षता में स्क्रीनिंग कमेटी बनाई गई है।

अजय कुमार और वीरेंद्र राठौर इस कमेटी में सदस्य होंगे। समाचार एजेंसियां की रिपोर्ट के मुताबिक इसमें पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत पदेन सदस्य होंगे। गोवा के लिए स्क्रीनिंग कमेटी में राज्यसभा सदस्य रजनी पाटिल अध्यक्ष बनाई गई हैं जबकि हिबी इडेन और ध्रुव नारायण इसमें बतौर सदस्य शामिल किए गए हैं। मणिपुर के लिए गठित स्क्रीनिंग कमेटी में पार्टी के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश अध्यक्ष होंगे जबकि प्रद्युत बारदोलोई और रकीबुल हुसैन सदस्य बनाए गए हैं। तीनों कमेटियों में संबंधित राज्यों के प्रभारी, प्रदेश अध्यक्ष और विधायक दल के नेता पदेन सदस्य होंगे। बता दें कि विधानसभा चुनावों में स्क्रीनिंग कमेटियां कांग्रेस के लिए बहुत महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाती हैं। टिकट के बंटवारे में इनकी अहमियत बेहद खास होती है।

किसान संगठनों की बड़ी मांग : किसानों की आय दुगुनी का फॉर्मूला लाए बीजेपी सरकार

» 22 को लखनऊ में तय होगा संयुक्त किसान मोर्चा का रुख

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा कल तीन कृषि कानून वापस लेने की घोषणा के बाद सरकार के साथ लोगों की निगाह अब लखनऊ पर हैं। लखनऊ में 22 नवंबर को होने वाली किसान महापंचायत में पीएम मोदी की घोषणा के बाद संयुक्त किसान मोर्चा अपना रूख तय करेगा। लखनऊ के इको गार्डन में किसानों की महापंचायत में 22 को मोदी सरकार के तीन कृषि कानून वापस लेने के बाद इनकी पर राय बनेगी। यह महापंचायत भारतीय किसान यूनियन टिकैट और किसान संयुक्त मोर्चा के तत्वाधान में होगी। इसमें भारतीय किसान यूनियन के प्रवक्ता राकेश टिकैत भी मौजूद रहेंगे। इससे पहले संयुक्त किसान मोर्चा शनिवार तथा रविवार को अपनी कोर कमेटी की बैठक में भविष्य की कार्रवाई तय करेगा। किसान नेता दर्शन पाल ने बताया भारतीय किसान यूनियन के नेता हरनाम सिंह वर्मा का कहना है सरकार ने कृषि कानून वापस लेने की बात कही है लेकिन यह अधूरा है। जब तक किसान को सरकार का लागू किया गया फसल का न्यूनतम समर्थन मूल्य नहीं मिलता है तब तक आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने कहा था कि जनवरी 2022 में किसानों की आय दोगुना हो जाएगी लेकिन यह भी सपना नजर आ रहा है। इसका फार्मूला तक नहीं बताया गया है। इसी कारण अब तो किसानों की मांगों को लेकर जारी आंदोलन चलता रहेगा।

2022 के चुनाव से पहले भाजपा का मास्टर स्ट्रोक

कृषि कानूनों को वापस लेकर भाजपा ने विपक्ष से छीना एक और मुद्दा

» किसान आंदोलन के नाम पर चुनाव आंदोलन करने वाले दल और नेता हुए बेरोजगार

» पेट्रोल और डीजल के दाम कम करने के बाद भाजपा का एक और मास्टर स्ट्रोक

दिव्यभान श्रीवास्तव

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में पेट्रोल तथा डीजल के दाम कम करने के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से तीन कृषि कानूनों को वापस लिए जाने की घोषणा से भाजपा विपक्ष के हमले की धार को कुंद करने के प्रयास में हैं। माना जा रहा है कि पीएम मोदी के इस कदम से भारतीय जनता पार्टी ने विपक्ष के हाथ से एक और मुद्दा छीन लिया है। तीन कृषि कानूनों के खिलाफ देश के साथ उत्तर प्रदेश में विपक्ष भाजपा की सरकार पर बेहद मुखर था। साथ ही विपक्ष ने उत्तर प्रदेश में 2022 में होने वाले विधानसभा के चुनाव में इस मुद्दे को भुनाने की बड़ी योजना भी बना ली थी।

इसी बीच किसी को भी जरा सी खबर नहीं थी कि प्रधानमंत्री मोदी शुक्रवार को राष्ट्र के नाम संदेश में इतनी बड़ी घोषणा कर देंगे। इससे पहले भी केंद्र सरकार के साथ ही राज्य सरकार ने पेट्रोल तथा डीजल के दाम में भारी कमी करके लोगों को बढ़ी महंगाई से थोड़ी राहत देने का प्रयास किया था। साथ ही इससे पहले पेट्रोल डीजल के दाम घटाकर भी सरकार ने महंगाई को लेकर विपक्ष के हमले को ठंडा किया था। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री दिनेश शर्मा ने पीएम नरेन्द्र मोदी के तीन कृषि कानून वापस लेने की घोषणा के बाद कहा कि भाजपा किसानों के लिए सब कुछ करने को तैयार थी है और रहेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भाजपा विरोधी विपक्षी दलों और नेताओं को जो किसानों को गुमराह कर रहे थे को अब बेरोजगार कर दिया है। किसानों के नाम पर राजनीतिक दुकान चलाने वालों को नींद नहीं आएगी। आगामी चुनाव में विपक्ष की सारी साजिशें फेल होगी। भाजपा 300 का आंकड़ा पार करेगी। यही नहीं, अब विपक्ष को मुद्दा ढूढ़ना पड़ेगा। क्योंकि भाजपा सरकार हर वर्ग को साथ लेकर चलती है। 2017 की तरह इस चुनाव में भी किसान भाजपा के साथ खड़ा है।

"तीनों कृषि कानून वापस वापस लेने के लिए प्रधानमंत्री मोदी को अभिनन्दन करता हूं। किसान आंदोलन के नाम पर चुनाव आंदोलन करने वाले दल और नेता तो को बेरोजगार हो गए है। इनकी कोई भी साजिश अब सफल नहीं होगी कमल खिला है और खिला ही रहेगा।

केशव प्रसाद मौर्य, डिप्टी सीएम उत्तर प्रदेश

"पिछले एक साल से देश का किसान प्रमुख मांगों के साथ सड़कों पर बैठा है। आज प्रधानमंत्री द्वारा इसमें से केवल एक मांग को मानने की घोषणा की है। बाकी अन्य मांगों पर प्रधानमंत्री कुछ नहीं कह पाए। एमएसपी की गारंटी, किसानों के जीवन को सीधे तौर पर प्रभावित करती है। इसी के ऊपर प्रधानमंत्री का कुछ न बोलना निराशाजनक है। लगता है कि किसानों को अपना संघर्ष अभी जारी रखना पड़ेगा। किसान आंदोलन में शहीद हुए किसानों को श्रद्धांजलि है।

सतीश श्रीवास्तव, आम आदमी पार्टी

"तीनों कृषि कानूनों की वापसी किसानों की जीत है। अहंकारी की हार है। प्रधानमंत्री को देरी से अक्ल आई, देर से आए लेकिन दुरूस्त आए। यह उन सभी किसानों, संगठनों व जनमानस की जीत है, जिन्होंने लगातार संघर्ष किया।

नीरज राय, प्रदेश अध्यक्ष तृणमूल कांग्रेस उत्तरप्रदेश

बर्बाद होने से बच गए देश के अन्नदाता

कृषि कानून वापस लेने के ऐलान से किसानों में दीपावली जैसी खुशी है। यह किसानों की जीत है। किसान यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष ललित त्यागी ने कहा कि तीनों कृषि कानून वापस होना किसानों की एकता की जीत है। हम स्वागत करते हैं। इस फैसले का सरकार के प्रति सकारात्मक संदेश जाएगा। यदि तीनों कृषि कानून लागू हो जाते तो किसानों की बर्बादी होती लेकिन अब ऐसी बर्बादी होने से बच जाएगी। अन्नदाता की जय हो।

आखिरकार सरकार को झुकना ही पड़ा

कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता अंशु अवस्थी ने कहा यदि यूपी, पंजाब सहित अन्य राज्यों में विधानसभा चुनाव नहीं होते तो यह कानून वापस नहीं होने वाले थे। जिस तरह से किसानों ने एक साल तक संघर्ष किया है उसी का परिणाम है कि सरकार को झुकना पड़ा। देर से ही सही लेकिन सरकार के समझ में आ गया कि किसानों को दबाया नहीं जा सकता इसलिए तीनों कृषि कानून वापस लेने पड़े। यह जीत अन्नदाता की जीत है।

किसानों की एकता के आगे झुकी तानाशाही सरकार

मुजफ्फरनगर के छपार में भारतीय किसान यूनियन तोमर के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजीव तोमर ने कहा कि यह किसान एकता की जीत और तानाशाही सरकार की हार है। संसद में भी सरकार कानूनों को रद्द करे। लगभग 700 किसानों की शहादत पर ही कृषि कानूनों की वापसी हुई है। सरकार बेवजह ही कृषि कानूनों को किसानों पर थोपना चाहती थी। परंतु किसानों की एकता के सामने सरकार को झुकना ही पडा। 22 सितंबर 2020 से किसान गर्मी, सर्दी व बरसात के मौसम में भी दिल्ली बार्डर पर डटे हुए थे। जिसमें लगभग 600 किसान शहीद हो गए। उन्होंने सरकार से शहीद किसानों को सम्मान देते हुए उनके परिवार को आर्थिक सहायता व परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देनी की मांग की है और शहीद किसानों की दिल्ली बॉर्डर पर ही समाधि स्थल बनाने की मांग की है।

वेस्ट यूपी में जमकर आतिशबाजी, बजे ढोल नगाड़े

पीएम मोदी ने कार्तिक पूर्णिमा पर बड़ी घोषणा करते तीनों कृषि कानूनों को वापस लेने की घोषणा की है। यह एक बड़ा ऐलान है क्योंकि वेस्ट यूपी सहित देशभर में किसान तीनों कृषि कानूनों के खिलाफ लगातार धरना प्रदर्शन कर रहे थे। अब तीनों कानूनों की वापसी के बाद किसान भाई बोले कि वह सरकार के फैसले का स्वागत करते है, यह घोषणा सरकार को पहले ही कर देनी चाहिए थी। वहीं केंद्र सरकार की ओर से कृषि कानूनों को वापस लेने पर बुलंदशहर, मेरठ, बरेली, बागपत, मथुरा सहित पूरे प्रदेश में पटाखे छोड़कर किसानों ने खुशी का इजहार किया। साथ ही कई स्थानों पर ढोल नगाड़े भी बजाए गए।

हक के लिए संघर्ष होता रहेगा, अभी एमएसपी पर जारी रहेगी लड़ाई

केंद्र सरकार को अभी एमएसपी पर विचार करना चाहिए। ताकि किसानों को राहत मिल सके और फसलों का वाजिब दाम मिल सके। किसानों के नेता राकेश टिकैत ने कहा कि एक साल आंदोलन को होने वाला था। आंदोलन में काफी किसानों की शहादत भी हुई। किसान मान सम्मान और हक के लिए संघर्ष करते रहे। संसद में कृषि कानूनों को रद्द करने के बाद ही उनका आंदोलन समाप्त होगा। चुनावी मौसम में सरकार ने तीनों कृषि कानूनों की घोषणा की है। राकेश टिकैत ने दो टूक कहा कि एमएसपी कानून लागू होने की मांग भी जारी रहेगी।

किसानों के हौसलों को कुचलने में कामयाब नहीं हो पाई सरकार

आरएलडी के राष्ट्रीय संयोजक अनुपम मिश्रा ने कहा सरकार को काले कानून वापस लेने पर मजबूर होना पड़ा। यह किसानों की बहुत बड़ी जीत है। उन्होंने कहा 600 से अधिक किसानों की शहादत और 350 से अधिक दिनों से खुले आसमान के नीचे जाड़ा, गर्मी और बरसात को झेलने वाले किसानों के हौसले को सरकार कुचलने में कामयाब नहीं हो पाई। गृह राज्य मंत्री के बेटे ने किसानों को अपनी गाड़ी के नीचे कुचल कर मार डाला पर आप और आपकी प्रदेश सरकार ने हर संभव कोशिश की उन्हें बचाने की किन्तु वहां भी सत्य को आपकी सत्ता की ताकत रौंद नहीं पायी। आरएलडी नेता अनुपम मिश्रा ने कहा कि भाजपा के नेताओं ने किसानों का अपमान करते हुए उन्हें आतंकवादी, देशद्रोही, गुंडे, उपद्रवी कहा, प्रधानमंत्री ने खुद किसानों को आंदोलनजीवी कहा पर उनके हौसले को तोड़ नहीं सके।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

पाक में न्यायपालिका बनाम मीडिया

पत्रकारों के लिए पाकिस्तान खतरनाक देश है और विश्व प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक में यह 180 देशों में 145वें स्थान पर है। लेकिन इस हफ्ते पूरे देश में उस वक्त खलबली मच गई, जब एक बेहद लोकप्रिय जज ने एक पत्रकार, अखबार के मालिक और संपादक समेत एक मीडिया ग्रुप के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उन्हें कोर्ट में तलब किया। गिलगित-बाल्टिस्तान के एक पूर्व मुख्य न्यायाधीश राणा मोहम्मद शमीम ने खुलासा किया कि पाकिस्तान के पूर्व मुख्य न्यायाधीश साकिब निसार ने एक अन्य न्यायाधीश को निर्देश दिया कि यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि पीएमएल (एन) प्रमुख नवाज शरीफ और उनकी बेटी मरियम नवाज को जमानत न दी जाए और उन्हें चुनाव में भाग लेने की अनुमति न दी जाए।

पत्रकारों के लिए पाकिस्तान खतरनाक देश है और विश्व प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक में यह 180 देशों में 145वें स्थान पर है। लेकिन इस हफ्ते पूरे देश में उस वक्त खलबली मच गई, जब एक बेहद सम्मानित और लोकप्रिय जज ने एक पत्रकार, अखबार के मालिक और संपादक समेत एक मीडिया ग्रुप के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उन्हें कोर्ट में तलब किया। गिलगित-बाल्टिस्तान के एक पूर्व मुख्य न्यायाधीश राणा मोहम्मद शमीम ने खुलासा किया कि पाकिस्तान के पूर्व मुख्य न्यायाधीश साकिब निसार ने एक अन्य न्यायाधीश को निर्देश दिया कि यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि पीएमएल (एन) प्रमुख नवाज शरीफ और उनकी बेटी मरियम नवाज को जमानत न दी जाए और उन्हें चुनाव में भाग लेने की अनुमति न दी जाए। न्यायमूर्ति शमीम का आरोप है कि साकिब निसार ने हाई कोर्ट के जज को फोन कर दोनों की जमानत याचिका खारिज करने के लिए कहा। जाहिर है, साकिब निसार ने इससे इन्कार किया है कि उन्होंने कभी अपने प्रभाव का गलत इस्तेमाल किया है। न्यायमूर्ति शमीम ने अपना यह खुलासा एक विस्फोटक शपथपत्र के जरिये पेश किया। मोहम्मद शमीम के आरोपों के पीछे की सच्चाई की जांच के लिए न्यायिक जांच का आदेश देने के बजाय इस्लामाबाद हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश अतहर मिनल्लाह ने तुरंत रिपोर्टर, संपादक और द न्यूज और जंग समूह के मालिक को कारण बताओ नोटिस जारी कर अदालत में पेश होने के लिए कहा। राणा मोहम्मद शमीम को भी कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

इस्लामाबाद हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने बहुत ही अजीब टिप्पणी की कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता बेशक महत्वपूर्ण है, लेकिन उच्च न्यायपालिका की अखंडता से ज्यादा नहीं। उनकी यह टिप्पणी असंगत है, क्योंकि मीडिया और न्यायपालिका मुल्क के दो स्तंभ हैं और कोई इसका आकलन नहीं कर सकता कि कौन महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि यह न्यायपालिका में जनता के विश्वास को भी कम करता है। क्या मुख्य न्यायाधीश पाकिस्तान के पूर्व प्रधान न्यायाधीश साकिब निसार को भी तलब करेंगे और कारण बताओ नोटिस भेजेंगे, जो इस न्यायिक ड्रामे में मुख्य किरदार हैं? कोई भी मीडिया प्रकाशन से उसकी खबर का स्रोत नहीं पूछ सकता, क्योंकि मोहम्मद शमीम का जो हलफनामा प्रकाशित हुआ था, वह लंदन में एक खुला और सार्वजनिक दस्तावेज है। यदि इस्लामाबाद हाई कोर्ट चुनावी प्रक्रिया में हस्तक्षेप के आरोपों के बारे में पूरी जांच करने से परहेज करता है, तो वह जनता का विश्वास भी खो देगा। स्वतंत्र मीडिया द न्यूज इंटरनेशनल और जंग के पूर्ण समर्थन में सामने आया है और यह सवाल उठाया है कि अपने घर को व्यवस्थित करने के बजाय न्यायपालिका द्वारा मीडिया हाउस पर निशाना साधना आखिर कितना उचित है। इस पर जरा गौर करें।

संजय

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

चीनी सैन्य तैयारी को गंभीरता से ले भारत

पुष्परंजन

दस दिन पहले पीपुल्स लिबरेशन आर्मी यानी पीएलए अपना 72वां स्थापना दिवस मना रही थी। उस मौके पर केडी-63 प्रक्षेपास्त्रों से लैस चीनी युद्धक विमान 'एचसिक्स-के' भारतीय सीमा पार क्या धौंस-पट्टी दिखाने के लिए उड़ानें भर रहे थे, या रूस से आ रही एस-400 मिसाइलों की खेप का भय था? पीएलए, इस समय तिब्बत केंद्रित रणनीति पर काम कर रही है। चीनी रक्षा मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि पीएलए की दस रेजीमेंटों ने 14 हजार 764 फीट ऊंचाई पर अवस्थित 'दुनिया की छत' कहे जाने वाले तिब्बत में 'ऑपरेशन स्नोलैंड मिशन-2021' अभ्यास पूरा कर लिया है। इस सैन्य अभ्यास में दस हजार सैनिकों की हिस्सेदारी का मतलब है, चीन माउंटेन वारफेयर को मजबूत करने में लगा है।

एक रिपोर्ट जून, 2020 में पेइचिंग से प्रकाशित पत्रिका 'माडर्न वीपेनरी' में छपी थी, जिसमें चीनी रक्षा विशेषज्ञों ने स्वीकार किया था कि भारत माउंटेन वारफेयर में अमेरिका और रूस से कहीं आगे है। चीन अब 1962 की गलतफहमी में नहीं है, जिसमें 1383 भारतीय सैनिक शहीद हुए थे, और 1047 घायल। उस युद्ध में पीएलए के 722 सैनिक मारे गये थे और 1400 घायल हुए थे। संख्या बल के हिसाब से देखें, तो भारत का अधिक नुकसान हुआ था। 1962 के बाद से भारतीय सेना ने अपनी कमजोरियों को लगातार दुरुस्त करने की चेष्टा की है, यह चीनी रक्षा विशेषज्ञों ने पिछले साल स्वीकार किया था। चीन 1962 की गलतफहमी का शिकार होकर 1979 में वियतनाम से भिड़ गया था, जिस युद्ध में पीएलए की नाक कटी थी। पेइचिंग से प्रकाशित पत्रिका 'माडर्न वीपेनरी' के वरिष्ठ संपादक हुआंग क्वोची ने स्वीकार किया कि इंडियन माउंटेन फोर्स के 12 डिवीजन, जिसमें लगभग दो लाख भारतीय सैनिक हैं, दुनिया की वृहद्तम संख्या वाली फोर्स है, जिसे 1970 के बाद से लगातार मजबूत किया गया है। हुआंग ने भारतीय तैयारियों के बारे में उस रक्षा पत्रिका में जानकारी दी कि इस समय भारतीय माउंटेन फोर्स के पास अमेरिका से आयातित 'एएच-65 ई लांगबो' अपाचे अटैक हेलीकॉप्टर है, 155 एमएम वाली दुनिया की सबसे हल्की होवित्र तोपें हैं। मारक क्षमता वाले सुखोई, जगुआर, राफेल जैसे अत्याधुनिक युद्धक विमान हैं। दुनिया की सबसे घातक असाल्ट व स्नाइपर राइफलें हैं। वो सन 62 वाला भारत नहीं है, जब उसकी सेना श्री नॉट श्री राइफल से लड़ रही थी। 'माडर्न वीपेनरी' पत्रिका चीनी मिलिटरी हार्डवेयर सप्लायर 'नोंरिंको' से फंडेड है।

चीनी रक्षा मंत्रालय की एक रिपोर्ट बताती है कि 2016 में तिब्बत मिलिटरी कमांड (टीएमसी) को थिएटर कमांड से सीधा लिंक किया जा चुका था। चीन की सेना को सेंट्रल मिलिटरी कमीशन (सीएमसी) नियंत्रित करता है, जिसके अधीन इस्टर्न, वेस्टर्न, नार्दर्न, सेंट्रल और सदर्न, पांच थिएटर कमांड हैं। युद्ध के हालात में सेना के तीनों अंग एक साथ काम करें, उसे आसान शब्दों में 'थिएटर कमांड' कहते हैं। आज की तारीख में युद्ध वाली स्थिति आने पर डिफेंस साइबर एजेंसी, डिफेंस स्पेस एजेंसी, स्पेशल ऑपरेशन डिवीजन को भी 'थिएटर कमांड' में समन्वित कर दिया जाता है। इस तरह के ज्वाइंट वारफेयर की शुरुआत अमेरिकी राष्ट्रपति आइनहावर के समय 1961 तक विकसित कर ली गयी थी। फिर 70 के दशक में ब्रिटेन और 80 के दशक में फ्रांस, जर्मनी और ऑस्ट्रेलिया ज्वाइंट वारफेयर की अवधारणा में आगे आये। रूस ने 2010 में और चीन ने 2015 में 'थिएटर कमांड' का सृजन किया था।

शी चिनफिंग के शासन प्रमुख रहते 23 मई, 2021 को तीसरी बार तिब्बत पर श्वेत पत्र प्रस्तुत किया गया। पहला व्हाइट पेपर 2015 में, और दूसरा 2019 में कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ चाइना (सीपीसी) की शिखर बैठक में पेश किया गया था। इससे स्पष्ट होता है कि चीनी सत्ता प्रतिष्ठान तिब्बत के प्रति कितना सजग है। तीनों श्वेत पत्रों में भारत में रहने वाले 94 हज़ार 203 तिब्बती, नेपाल में 13 हजार 524, और भूटान में 1300 तिब्बतियों समेत दुनियाभर में फैले तिब्बती डायसफोरा के लगभग डेढ़ लाख सदस्यों की गतिविधियों की रिपोर्ट भी पेश की गई थी। डायसफोरा के ये सभी सदस्य सेंट्रल तिब्बतन एडमिनिस्ट्रेशन से निबंधित होते हैं, चुनांचे चीन की नजर 'सीटीए' पर बनी रहती है। साल 2021 के श्वेत पत्र में शी प्रशासन ने बताया था कि तिब्बत मिलिटरी कमांड और शिन्चियांग मिलिटरी कमांड में क्या कुछ हो रहा है। खासकर, तिब्बत मिलिटरी कमांड के अंतर्गत आने वाले पीपुल्स आर्म्ड पुलिस फोर्स, बॉर्डर डिफेंस रेजिमेंट, न्यीग्ची व ल्हासा में तैनात 52वें, 53वें और 54वें ब्रिगेड की तफसील 23 मई, 2021 के तीसरे श्वेत पत्र में दी गई थी। 27 दिसंबर, 2018 को चीन के मिनिस्ट्री ऑफ नेशनल डिफेंस (एमएनडी) ने खुलासा किया कि तिब्बत सीमा पर 105 एमएम गन से लैस टाइप 15 लाइटवेट टैंक, टाइप 99, टाइप 96 टैंक तैनात किये गये हैं।

बदल रहा है नौकरशाही का ढांचा

प्रभु चावला

क्या भारतीय नौकरशाही का कुख्यात स्टील ढांचा अब एल्युमिनियम में बदल गया है। मोदी सरकार ने लंबे समय से चले आ रहे विशेषाधिकार को प्रभावहीन कर दिया है और दफ्तरी बाबुओं के चतुर पैंतरों को नाकाम कर रही है। बीते पांच साल से वे नियमित रूप से कार्यालय जा रहे हैं और बैठकों में शामिल हो रहे हैं। सेवानिवृत्त अधिकारियों की मानें, तो निर्णय लेने की प्रक्रिया का ढांचा तेजी से बदल चुका है। अब शीर्ष स्तर पर निर्णय लिये जाते हैं और उन्हें लागू करने के लिए नीचे भेजा जाता है। पहले बेपरवाह अधिकारियों को वरिष्ठ स्तर की नियुक्तियों की जानकारी रहती थी, पर अब जब आधी रात को कार्मिक विभाग के वेबसाइट पर नाम घोषित होते हैं, तो उन्हें झटका लगता है। इन दिनों वित्त मंत्री के अगले मुख्य आर्थिक सलाहकार के संभावित नाम को लेकर कयास लगाये जा रहे हैं।

क्या देश की पहली महिला वित्तमंत्री को पहली महिला सलाहकार मिलेंगी? क्या अपने ढंग से फैसले लेनेवाले प्रधानमंत्री मोदी ब्रेंटवुड संस्थाओं से किसी को लायेंगे या किसी भारतीय अर्थशास्त्री को पसंद करेंगे? इस पद के लिए विज्ञापन जारी हो चुके हैं। सत्ता के गलियारों में जो तीन संभावित नाम चर्चित हैं, उनमें शीर्ष पर डॉ पमी दुआ का नाम है, जो दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स में प्रोफेसर हैं। मोदी सरकार ने 2016 में उन्हें रिजर्व बैंक की शक्तिशाली मौद्रिक नीति समिति की पहली महिला सदस्य के रूप में चार सालों के लिए नामित किया था। देश में वे शायद पहली भरोसेमंद अर्थशास्त्री हैं। दूसरी प्रतिष्ठित देशी अर्थशास्त्री पूनम गुप्ता हैं, जो अभी नेशनल काउंसिल ऑफ अप्लायड इकोनॉमिक रिसर्च की महानिदेशक हैं। उन्हें हाल में पुनर्गठित सात सदस्यीय प्रधानमंत्री के आर्थिक सलाहकार परिषद का सदस्य बनाया गया है। हालांकि विदेश में शिक्षित कुछ खिलाड़ियों ने अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की मुख्य अर्थशास्त्री गीता गोपीनाथ का नाम उछाला है। पहले के कई आर्थिक सलाहकारों की तरह उनका भी अमेरिकी विद्वानों और कॉरपोरेट जगत से अच्छा जुड़ाव है। सलाहकार पद पर नियुक्ति में उनकी अमेरिकी नागरिकता आड़े आ सकती है। वैसे मौजूदा प्रमुख आर्थिक सलाहकार संजीव सान्याल भी हिंदुत्व अर्थशास्त्र के प्रति छुपे रुस्तम साबित हो सकते हैं।

तीन संभावित नामों का निर्णय एक सर्च कमिटी करेगी, जिसकी जानकारी अभी सार्वजनिक नहीं की गयी है। भावी मुख्य आर्थिक सलाहकार के चयन से आगामी बजट की वैचारिक दिशा इंगित होगी। प्रधानमंत्री मोदी आर्थिक थिंक टैंकों को आखिरकार आकार दे रहे हैं। पिछले माह उन्होंने अपनी आर्थिक सलाहकार परिषद का पुनर्गठन किया है। आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार, यह परिषद एक गैर संवैधानिक, गैर वैधानिक, स्वतंत्र इकाई है, जिसका काम प्रधानमंत्री को आर्थिक मामलों पर सलाह देना है. इससे अपेक्षा की जाती है कि यह आर्थिक वृद्धि को प्रभावित कर सकनेवाले अहम आर्थिक घटनाओं को सरकार की जानकारी में लाए। इस परिषद के प्रमुख विदेश में शिक्षित बिबेक देबरॉय हैं। इससे इंगित होता है कि प्रधानमंत्री मोदी मजबूत कॉरपोरेट रिश्तों वाले बाहरी टेक्नोक्रेट को साथ रखना चाहते हैं ताकि नीतियों को तय करने में उनसे मदद मिल सके। परिषद के सात में से चार सदस्य अभी भी निजी भारतीय और विदेशी वित्तीय, कॉरपोरेट और बैंकिंग संस्थानों में कार्यरत हैं।

पहली नजर में यह सामान्य प्रशासनिक निर्णय लग सकता है, पर गॉसिप में लिप्त नौकरशाही के लिए मोदी की कार्रवाई पश्चिम बंगाल में भाजपा की हार का नतीजा है। पिछले माह एक अचरज भरे फैसले में संग्रहालय और सांस्कृतिक स्थानों के विकास के सीईओ का पद खत्म कर दिया गया। कैबिनेट की नियुक्ति कमेटी ने इस पद पर बैठे बंगाल कैडर के सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी राघवेंद्र सिंह का इस्तीफा मंजूर कर लिया। इस पद पर सिंह को तीन साल के लिए लाया गया था। यह अवधि सितंबर, 2022 में पूरी होने वाली थी। इससे पहले उन्हें वस्त्र मंत्रालय के सचिव पद से सेवानिवृत्त होने के बाद फिर से एक साल के लिए संस्कृति सचिव बनाया गया था। भीतरी सूत्रों के मुताबिक, भाजपा नेतृत्व को भरोसा था कि पूर्व वित्त एवं विदेश मंत्री स्वर्गीय जसवंत सिंह के सहयोगी रहे राघवेंद्र सिंह बंगाल चुनाव में केसरिया पार्टी के सांस्कृतिक पुनरुत्थान के प्रतीक हो सकते हैं।

उन्होंने विभिन्न संग्रहालयों को बेहतर भी बनाया, उन्हें दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू संग्रहालय को सभी पूर्व प्रधानमंत्रियों के संग्रहालय में बदलने का जिम्मा भी दिया गया था लेकिन प्रधानमंत्री द्वारा संस्कृति के लिए एक कैबिनेट रैंक और दो राज्य मंत्रियों की नियुक्ति के बाद उन्होंने पाया कि सिंह ने अपेक्षा के अनुरूप काम नहीं किया है। नीति आयोग की मौजूदा उपयोगिता में बदलाव की चर्चा भी हो रही है। सत्ता में आने के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने योजना आयोग की जगह नीति आयोग का गठन किया था, जिसका उद्देश्य योजनाओं का जल्दी निर्धारण, व्यापार सुगमता बढ़ाना तथा उत्तरदायी शासन की व्यवस्था करना था। इससे अपेक्षा थी कि यह सभी मुख्यमंत्रियों की भागीदारी से निरंतर बैठकें करेगा लेकिन बीते छह साल में यह संस्था केवल छह ऐसी बैठकें कर सकी है। सत्ता के गलियारों में ऐसा अहसास है कि नीति आयोग में बाहरी लोगों का वर्चस्व है। संस्था से संबद्ध लोग बातें अधिक और काम कम करते हैं। अधिकारियों के समूहों में आयोग सूचकांक निर्माण समूह के रूप में चर्चित है। इसके द्वारा तमाम चीजों पर जारी सूचकांकों को बनाने की प्रक्रिया रहस्य ही है।

ठंड से बचने में काम आएंगे विंटर हैक्स

अगर आप भी उन लोगों में से एक हैं जिन्हें ज्यादा ठंड लगती है तो यकीनन आप ये 6 काम कर सकते हैं

सर्दियां शुरू हो गई हैं और अब वो दिन दूर नहीं हैं जब सिर्फ कंबल के अंदर सोना ही अच्छा लगेगा। अगर देखा जाए तो सर्दियों में कुछ लोग ऐसे होते हैं जो एक्टिव होते हैं लेकिन कुछ ऐसे भी होते हैं जिन्हें बिल्कुल भी ये मौसम अच्छा नहीं लगता है और वो खुद ही किसी काम को करने में दिलचस्पी नहीं दिखाते हैं। सर्दियों के समय अगर आपके साथ भी ऐसा ही कुछ हो रहा है तो क्यों ना हम बात करें कुछ ऐसे हैक्स की जो सर्दियों के काम को थोड़ा आसान बना देंगे।

जूतों को करें वाटरप्रूफ

अगर गलती से भी सर्दियों में जूतों में पानी पड़ जाए तो इतनी समस्या होती है कि कहा नहीं जा सकता। पूरे दिन ठंड और गीलेपन के कारण तबीयत भी खराब हो सकती है। ऐसे में अगर आप अपने जूतों को वाटरप्रूफ बनाना चाहते हैं तो उन पर वैक्स घिस सकते हैं। ये हैक कैनवास शूज के लिए तो बहुत ही अच्छा साबित हो सकता है क्योंकि अगर आप इनमें वैक्स पॉलिश कर देंगे तो ये हवा और पानी दोनों से प्रोटेक्शन देगा। जूतों पर सर्दियों के समय थोड़ा सा वैक्स घिसना अच्छा ऑप्शन साबित हो सकता है क्योंकि ये आसानी से पोंछे भी जा सकते हैं और इन्हें धोने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

सरसों का तेल और लहसुन

सरसों का तेल शरीर में गर्मी पैदा कर सकता है ये तो हमने पहले से ही देखा है, लेकिन अगर इसे लहसुन के साथ मिला लिया जाए तो ये इंस्टेंट रिलीफ दे सकता है। सरसों के तेल में 1-2 लहसुन की फांक डालकर आप इसे गर्म करें। जब ये अच्छे से गर्म हो जाए तो लहसुन को निकाल दें और इसे गुनगुना होने तक ठंडा करें। अब यही गुनगुना सरसों का तेल आप पैरों के तलवे और

हथेलियों पर इससे मसाज करें। बस ये एक छोटी सी ट्रिक उन लोगों के लिए अच्छी साबित हो सकती है जिनके पैर और हाथ रात भर ठंडे रहते हैं।

सर्दियों में बर्तन धोने का हैक

यहां सिर्फ गुनगुने पानी से बर्तन धोने की बात नहीं हो रही है बल्कि ये हैक उन लोगों के काम भी आ सकता है जिनके सिंक में गुनगुना पानी नहीं आता है। अगर आपको बर्तन धोने हैं तो सबसे पहले डिश वॉश सोप को आप पानी में घोलकर इस्तेमाल करें ताकि ये बर्तनों पर चिपके नहीं और इससे परेशानी भी ना हो। आप थोड़ा सा गर्म पानी सीधे बर्तनों में डालें। इससे बर्तन जल्दी भी धुलेंगे और साथ ही साथ उनकी गर्माहट से आपको ज्यादा परेशानी भी नहीं होगी। ये ट्रिक तब बहुत कारगर साबित होगी जब आपके पास पानी कम हो या फिर जल्दी से ही बर्तनों को धोकर अपना काम खत्म करना हो। साथ ही बर्तनों को धोने के लिए ग्लव्स पहने, वॉशिंग ग्लव्स आसानी से आपको ऑनलाइन मिल जाएंगे जो आपकी सर्दी को कम कर सकते हैं।

थर्माकोल और फोम करेगा मदद

ये तो पता है कि सर्दियों की हवा ज्यादा परेशानी पैदा कर सकती है। ऐसे में थर्माकोल या फिर गद्दे के फोम से आप दरवाज़ों और खिड़कियों के गैप ढक दें। इस एक ट्रिक से ही आपके कमरे का तापमान बढ़ सकता है। अगर आप नॉर्थ इंडिया में रहते हैं तब तो ये ट्रिक जरूर ट्राई करें। अगर ऐसा नहीं कर सकते हैं तो पुराने न्यूजपेपर का इस्तेमाल करें।

लेयरिंग करेगी आपकी सर्दी को कम

सर्दियों में हमेशा ऐसा लगता है कि अगर आप मोटे कपड़े पहन लेंगे तो ये आपके लिए अच्छा होगा, लेकिन ये सच नहीं है। ज्यादा मोटे कपड़े या कंबल आदि बहुत भारी हो सकता है और ऐसे में सफोकेशन भी हो सकता है। सर्दियों में जितनी समस्या गिरता हुआ तापमान देता है उतनी ही समस्या हवा से भी होती है और ऐसे समय में लेयरिंग ज्यादा मददगार होगी। पतले-पतले दो या तीन वुलन कपड़े एक मोटे जैकेट के बराबर हवा रोक सकते हैं। ऐसा ही कंबल के साथ भी हो सकता है। तो अगर आपको सर्दी ज्यादा लगती है तो कई लेयर्स में कपड़े पहनें। ये आपकी समस्या को थोड़ा कम कर सकता है।

कैफीन करेगी नुकसान

कैफीन और निकोटीन सर्दियों में एक अच्छा ऑप्शन लग सकता है, लेकिन ये आपकी नसों को सिकोड़ने का काम करेगा अड्डौर ब्लड फ्लो को कम करेगा। इसका नतीजा ये होगा कि आपके हाथ और पैर ज्यादा ठंडे हो जाएंगे। कैफीन को लिमिटेड ही पिएं और अगर आप ज्यादा पीने की कोशिश करेंगे तो थोड़ी देर के लिए गर्मी लगेगी और उसके बाद ठंड ज्यादा लगेगी।

हंसना मना है

कसाई बकरे को लेकर काटने जा रहा था, बकरा मैं-मैं चिल्ला रहा था। तभी एक बच्चे ने पूछा- आपका बकरा क्यों चिल्ला रहा है ? कसाई- मैं इसे काटने ले जा रहा हूं, इसलिए। बच्चा- मैने सोचा स्कूल ले जा रहे होंगे !!!

संता- अगर तुम्हें गर्मी लगती है तो क्या करते हो? बंता- मैं कूलर के पास जाकर बैठ जाता हूं। संता- अगर फिर भी गर्मी लगती है तो क्या करते हो? बंता- तो फिर मैं कूलर चालू कर लेता हूं!

दो सहेलियां कई दिनों बाद मिलीं पहली- क्यों तेरे पति के तो सामने के दांत ही नहीं हैं दूसरी- क्या बताऊं बहन.. 2020 में शादी तय हुई तब कोविड था इसलिए ये मास्क लगाकर देखने आए थे। पहली- फिर शादी के समय नहीं देखा ? दूसरी- तब (2020) कोरोना था, और शादी के लिए केवल दो घंटे की अनुमति मिली थी। अब तू ही बता इतने कम समय में मैं मेकअप करती या इनके दांत देखती?

पत्नी ने देखा ऐसा सपना कि पति बोला वापस सो जाओ सुबह-सुबह पत्नी नींद से उठते ही बोली, अजी सुनते हो? पति- बोलो! क्या हुआ? पत्नी- मुझे सपना आया कि आप मेरे लिए हीरों का हार लेकर आए हो पति- ठीक है, तो वापस सो जाओ और पहन लो।

कहानी — धूर्त चमगादड़

एक बार पशुओं और पक्षियों के बीच लड़ाई छिड़ गई। इस लड़ाई में कभी पशुओं की जीत होती तो कभी पक्षी जीत जाते। लेकिन लड़ाई थी कि रुकने का नाम ही नहीं लेती थी। उस लड़ाई में पशुओं और पक्षियों के बीच सबसे अधिक धूर्त प्राणी चमगादड़ था। जब पक्षियों की जीत होती तो वह उड़कर उनकी ओर पहुंच जाता और कहता, मैं भी पक्षी हूं। देखो, ये मेरे पंख हैं। मैं उड़ भी सकता हूं। हम सब भाई-भाई हैं। इस तरह वह पक्षियों के साथ रहना शुरू कर देता। और जब पशु जीत जाते तो वह उनके खेमे में चला जाता। कहता, देखो, मेरे पंख जरूर हैं लेकिन मैं पक्षी नहीं हूँ । उनसे तो मुझे बहुत घृणा है। भाई, मैं तो पशु ही हूँ, आप जैसा। ये देखो, मेरी नाक और कान एकदम आप जैसे हैं। मैं पक्षियों की तरह अंडे नहीं देता, आपकी तरह बच्चों को जन्म देता हूं। मैं उनकी चोंच में चुग्गा नहीं देता, आपकी तरह स्तनपान कराता हूँ। हम परस्पर भाई-भाई हैं। यह कहकर वह पशुओं के साथ रहना शुरू कर देता। कुछ समय बाद पशुओं और पक्षियों के बीच लड़ाई का दौर समाप्त हो गया। दुनिया में किसी भी किस्म का पशु और किसी भी किस्म का पक्षी ऐसा नहीं था जिसने इस लड़ाई में भाग न लिया है। समय-समय पर चमगादड़ भी इधर या उधर शामिल होता आया था लेकिन लड़ाई का दौर समाप्त होने पर उसका चालाकी भरा सारा खेल समाप्त हो गया। द्रोनों पक्षों को उसकी धूर्तता का पता चल गया। अब, वह बेचारा न पशुओं के बीच बैठ सका और न पक्षियों के बीच। उन्होंने मिलकर उसको श्राप दिया कि हे चमगादड़। तू पक्षियों की तरह न घोंसले में रह पाएगा और न पशुओं की तरह घरों में। तू पेड़ की शाखों पर उलटा लटकेगा। साथ ही, रात की बजाय तू दिन में सोया करेगा और दिन की बजाय रात में जागा करेगा। अपनी धूर्तता के परिणामस्वरूप तभी से, चमगादड़ शाखों पर उलटा लटका रहता है, दिन में सोता है। और रात में जागता है ।

10 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। व्ययवृद्धि होगी। तनाव रहेगा। अपरिचितों पर विश्वास न करें। प्रयास में आलस्य व विलंब नहीं करना चाहिए। रुके हुए काम समय पर होने की संभावना है। विरोधी परास्त होंगे।

वृषभ — कोर्ट-कचहरी में अनुकूलता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। उधार दिया धन मिलने से राहत हो सकती है। जीवनसाथी का सहयोग उलझे मामले सुलझाने में सहायक हो सकेगा।

मिथुन — बेरोजगारी दूर होगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। जोखिम न लें। क्रोध एवं उत्तेजना पर संयम रखें। सत्कार्य में रुचि बढ़ेगी। प्रियजनों का पूर्ण सहयोग मिलेगा।

कर्क — भूमि व भवन संबंधी कार्य लाभ देंगे। रोजगार मिलेगा। शत्रु भय रहेगा। निवेश व नौकरी लाभ देंगे। व्यापार अच्छा चलेगा। कार्य के विस्तार की योजनाएं बनेंगी। रोजगार में उन्नति एवं लाभ की संभावना है।

सिंह — उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। शत्रु सक्रिय रहेंगे। शोक समाचार मिल सकता है। थकान महसूस होगी। व्यावसायिक चिंता रहेगी। संतान के व्यवहार से कष्ट होगा। सहयोगी मदद नहीं करेंगे।

कन्या — अतिथियों का आवागमन रहेगा। उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। स्वाभिमान बना रहेगा। नई योजनाओं की शुरुआत होगी। संतान की प्रगति संभव है। भूमि व संपत्ति संबंधी कार्य होंगे।

तुला — चोट, चोरी व विवाद से हानि संभव है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। कुसंगति से हानि होगी। अपने काम से काम रखें। स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही न करें। आवास संबंधी समस्या हल होगी।

वृश्चिक — राजकीय बाधा दूर होकर लाभ होगा। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। क्रोध पर नियंत्रण रखें। लाभ होगा। रुके हुए काम समय पर पूरे होने से आत्मविश्वास बढ़ेगा। व्यापार में नई योजनाएं बनेंगी।

धनु — ुरोमांस में समय बीतेगा। मेहनत का फल मिलेगा। कार्यसिद्धि से प्रसन्नता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। परिवार में प्रसन्नता का वातावरण रहेगा। धनार्जन होगा।

मकर — दिन प्रेमभरा गुजरेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। रुका हुआ धन मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी। जल्दबाजी न करें। प्रियजनों से पूरी मदद मिलेगी। संतान के कार्यों में उन्नति के योग हैं।

कुम्भ — रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। विवाद न करें। सामाजिक एवं राजकीय ख्याति में अभिवृद्धि होगी। आर्थिक अनुकूलता रहेगी।

मीन — नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। मान-सम्मान मिलेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सावधानी रखें। कार्यक्षमता एवं कार्यकुशलता बढ़ेगी। व्यापार में नई योजनाओं से लाभ होगा।

बॉलीवुड | मन की बात

Two Indias पर बोले वीर दास नहीं किया देश का अपमान

जाने-माने कॉमेडियन और एक्टर वीर दास आए दिन अपने बयानों के चलते चर्चा में रहते हैं। वीर दास इन दिनों गैंगरेप वाले विवादित बयान के चलते सुर्खियों में आ गए हैं। उनके इस बयान को लेकर उनकी हर जगह आलोचना की जा रही है। लोग उनपर देश का अपमान करने का आरोप लगा रहे हैं। उन पर मुंबई में एफआईआर भी दर्ज हो गई है। अब बढ़ते विवाद पर वीर दास ने एक ट्वीट के जरिए अपनी सफाई दी है। वीर दास ने हाल ही में अपने यूट्यूब चैनल पर आई कम फॉम टू इंडियाज शीर्षक से एक वीडियो अपलोड किया था। यह वीडियो वॉशिंगटन डीसी के जॉन एफ कैनेडी सेंटर में उनकी हालिया प्रस्तुति का हिस्सा था। छह मिनट के वीडियो में वीर दास ने देश के कथित दोहरे चरित्र के बारे में बात की। वीर दास ने वीडियो में कहा, मैं एक ऐसे भारत से आता हूं, जहां दिन में तो औरत की पूजा की जाती है और रात में उनके साथ दुष्कर्म होता है। मैं उस भारत से आता हूं जहां आप AQv 9000 है फिर भी हम अपनी छतों पर लेटकर रात में तारें गिनते हैं। मैं उस भारत से आता हूं, जहां हम वेजेटेरियन होने में गर्व महसूस करते हैं, लेकिन उन्हीं किसानों को गाली देते हैं। उनके इस वीडियो को लेकर हंगामा मच गया है। विवाद ब?ने के बाद वीर ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर अब माफी मांगी है। उन्होंने कहा है कि, उनका इरादा देश का अपमान करने का नहीं था, बल्कि उनका इरादा यह याद दिलाने का है कि, देश अपने तमाम मुद्दों के बाद भी महान है। वीर दास ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट लिखा है। वीर ने अपने पोस्ट में लिखा कि, मेरा इरादा देश का अपमान करना नहीं बल्कि ये याद दिलाना था कि, देश इन तमाम मुद्दों के बाद भी महान है।

करण की पहली एक्शन फिल्म में लीड रोल निभाएंगे सिद्धार्थ मल्होत्रा

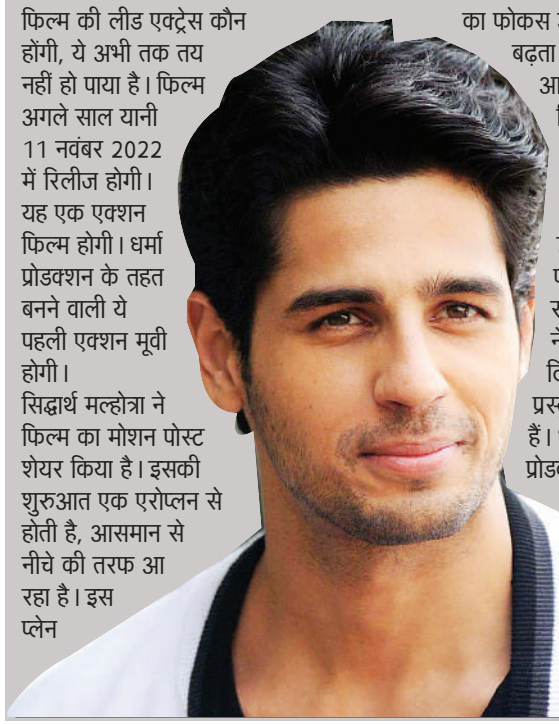

सिद्धार्थ मल्होत्रा ने हाल में करण जौहर की अपकमिंग फिल्म के लिए लुक टेस्ट दिया था। इस लुक टेस्ट के बाद करण ने सिद्धार्थ को फाइनल कर लिया गया है। रोल फाइनल होने के बाद सिद्धार्थ और करण जौहर ने एक मोशन पोस्टर और फिल्म का फर्स्ट लुक शेयर किया है। करण और सिद्धार्थ की इस फिल्म का नाम 'योद्धा' है। इस फिल्म की लीड एक्ट्रेस कौन होंगी, ये अभी तक तय नहीं हो पाया है। फिल्म अगले साल यानी 11 नवंबर 2022 में रिलीज होगी। यह एक एक्शन फिल्म होगी। धर्मा प्रोडक्शन के तहत बनने वाली ये पहली एक्शन मूवी होगी। सिद्धार्थ मल्होत्रा ने फिल्म का मोशन पोस्ट शेयर किया है। इसकी शुरुआत एक एरोप्लेन से होती है, आसमान से नीचे की तरफ आ रहा है। इस प्लेन के अंदर सीट एक-दो लोग ही बैठे हैं। प्लेन के पीछे की तरफ सिद्धार्थ हाथ में गन लिए अलर्ट पॉजिशन में दिखाई दे रहे हैं और कैमरे का फोकस उनपर बढ़ता जा रहा है। आखिरी में फिल्म की रिलीज डेट बताई जाती है। इस मोशन पोस्टर के साथ सिद्धार्थ ने लिखा,योद्धा प्रस्तुत कर रहे हैं। धर्मा प्रोडक्शन की पहली

बॉलीवुड | मसाला

एक्शन फ्रेंचाइजी फिल्म है। दो प्रतिभाशाली आदमी डायरेक्टर सागर आम्बरे और पुष्कर ओझा की फिल्म में काम करने को लेकर एक्साइटेड हूं। 11 नवंबर 2022 सिनेमाघरों में रिलीज होगी इसके अलावा, सिद्धार्थ मल्होत्रा ने फिल्म में अपने दो पोस्टर शेयर किए हैं। इन दो पोस्टर में अपने दो अलग-अलग लुक को शेयर किया है। एक पोस्टर में सिद्धार्थ गन लिए किसी को टारगेट कर रहे हैं। जबकि दूसरे पोस्टर में वह काफी इंटेंस लुक में नजर आ रहे हैं। उनके चेहरे पर कई जगह निशान बने हुए है। उनके बैकग्राउंड में एक प्लेन उड़ता हुआ दिख रहा है। मेकर्स ने अभी इसकी कहानी का खुलासा नहीं किया है। लेकिन मोशन पोस्टर देखने के बाद लगता है कि सिद्धार्थ इसमें किसी आर्मी ऑफिसर या एजेंट का किरदार निभा रहे हैं।

बॉक्स ऑफिस पर होगी रितिक रोशन और रणबीर कपूर की टक्कर

इन दिनों रिलीज डेट अनाउंसमेंट का मौसम चल रहा है। खास तारीखों पर कब्जा जमाने की कोशिश है। कोविड के कारण रिलीज शेड्यूल गड़बड़ हो गया था इसलिए बड़ी फिल्मों के निर्माता खास तारीखों पर अपनी फिल्में रिलीज करना चाहते हैं। आमिर खान की लाल सिंह चड्ढा जैसी बड़ी फिल्म को रिलीज डेट नहीं मिल पा रही है। हाल ही में लव रंजन ने अपनी आगामी फिल्म की रिलीज डेट अनाउंस की है। फिल्म का नाम अभी तय नहीं

है। इस फिल्म में रणबीर कपूर और श्रद्धा कपूर साथ नजर आने वाले हैं। इसके अलावा बोनी कपूर और डिंपल कपाड़िया भी दिखेंगे। लव रंजन की यह अनटाइटल्ड रोमांटिक कॉमेडी फिल्म 26 जनवरी 2023 को रिलीज होगी। मेकर्स ने इस बात की जानकारी सोशल मीडिया के जरिए दी है। खबरों के अनुसार फिल्म में रणबीर कपूर एक ब्रेकअप एक्सपर्ट की भूमिका में नजर आने वाले हैं। स्पेन यात्रा के दौरान रणबीर को श्रद्धा से प्यार हो जाता है। फिल्म में बोनी कपूर और डिंपल कपाड़िया रणबीर के माता-पिता की भूमिका में नजर आएंगे। इस फिल्म में पहली बार रणबीर कपूर और श्रद्धा कपूर साथ में काम कर रहे हैं। फिल्म का निर्माण लव रंजन और अंकुर गर्ग ने किया है। फिल्म को गुलशन कुमार व भूषण कुमार द्वारा प्रस्तुत किया गया है। गौरतलब है कि इसी दिन रितिक रोशन और दीपिका पादुकोण की फाइटर भी रिलीज होने वाली है। यह एक बड़ी फिल्म है। रितिक और रणबीर कपूर दोनों ही बड़े सितारे हैं। यदि दोनों की फिल्में एक ही दिन रिलीज होती है तो धमाका तय मानिए।

अजब-गजब | जानिए क्या है इसके पीछे की कहानी और रिवाज

साड़ी पहनकर यहां पर पुरुष करते हैं पूजा

हमारे देश हर स्थान पर अलग-अलग परंपराओं को धर्मों को मानने वाले रहते हैं। इनके रीति-रिवाज भी एक दूसरे से अलग होते हैं। कुछ जगहों पर लोग ऐसी परंपराओं को आज भी मानते हैं जिन्हें देखे में अजीब सा लगता है। ये धार्मिक परंपराएं सैकड़ों सालों से वहां रहने वाले लोग मानते आ रहे हैं। आज हम आपको अपने ही देश के एक हिस्से में निभाई जाने वाली एक परंपरा को बताने जा रहे हैं जिसे जानकर यकीनन आपको हैरानी होगी। दरअसल, ये परंपरा पुरुषों के साड़ी पहनने से जुड़ी है और साड़ी पहनकर वह भगवान की पूजा करते हैं। दरअसल, पश्चिम बंगाल के हुगली जिले के चंदन नगर में ये परंपरा सदियों से निभाई जा रही है।

इस परम्परा के अनुसार महिलाएं नहीं बल्कि पुरुष साड़ी पहनकर देवी मां की पूजा करते हैं। सबसे ज्यादा हैरानी की बात ये है कि ये परंपरा साल दो साल से नहीं बल्कि पिछले 229 साल से इस स्थान के लोगों द्वारा निभाई जा रही है। बता दें कि पश्चिम बंगाल के चंदन नगर में इस परंपरा के दौरान मां जगधात्री की पूजा की जाती है। इस दौरान घर की महिलाएं नहीं बल्कि पुरुष साड़ी पहनकर माता की पूजा करते हैं। हर साल की तरह इस बार भी चंदन नगर का नजारा काफी अद्भुत दिखाई दिया। इस बार भी पूजा के दौरान पुरुषों ने साड़ी पहनकर मां जगधात्री की सिंदूर और पान से आराधना की।

बता दें कि बांग्ला संस्कृति में सदियों से मां जगधात्री की पूजा के दौरान अलग तरह का नजारा देखने को मिलता है। इस दौरान पुरुष साड़ी पहनकर और सिर पर पल्लू डालकर मां जगधात्री की पूजा-अर्चना करते हैं। यही नहीं पूजा के दौरान मंडप परिसर के अंदर और बाहर सैकड़ों श्रद्धालु भी जमा होते हैं। यानी इस परंपरा के अंतर्गत पुरुष अकेले साड़ी पहनकर पूजा नहीं करते बल्कि उन्हें सभी के सामने मां की पूजा करनी होती है।

कैसे शुरु हुई ये परंपरा

पश्चिम बंगाल की संस्कृति में ये परंपरा अंग्रेजों के शासन के समय से चली आ रही है। इस अनोखी पूजा के बारे में कहा जाता है कि 229 साल पहले जब अंग्रेजों का शासन था, तब शाम ढलने के बाद अंग्रेजों के डर से महिलाएं घर से नहीं निकलती थीं। उस दौरान घर के पुरुषों ने साड़ी पहनकर मां जगधात्री की पूजा की थी। इसके बाद ये एक परंपरा बन गई जो आजतक चली आ रही है। इसलिए आज भी पुरुष हर साल एक खास मौके पर साड़ी पहनकर देवी मां की पूजा-अर्चना करने मंदिर पहुंचते हैं।

इस शहर में है सास-बहू मंदिर, नाम ही नहीं इसकी कहानी भी है थोड़ी सी हटके

कई बार कुछ नामों को सुनकर या पढ़कर हमें बहुत अजीब सा लगता है और फिर उस नाम के पीछे के रहस्य या कहानी को जानने की इच्छा हम सभी के मन में होती है। अगर आपसे कहा जाए कि हमारे देश के लाखों मंदिरों में से एक सास-बहू का मंदिर भी है तो यकीनन आपको ये पढ़कर बहुत ही अजीब सा लगेगा कि आखिर सास-बहू का मंदिर भी होता है क्या? अगर ऐसा है तो ये कहां है इसके पीछे की कहानी क्या है? इस तरह से कई सवाल आपके मन में उठने लगेंगे। तो चलिए आपको आज हम सास-बहू के के मंदिर के बारे में ही बताते हैं। ये मंदिर जितना नाम से अनोखा है उतना ही इसकी कहानी भी रोचक है। दरअसल, राजस्थान के उदयपुर शहर से करीब 20 किलोमीटर दूर एक अत्यंत कलात्मक और ऐतिहासिक मंदिर है, जिसे सास बहू मंदिर के नाम से जाना जाता है। हालांकि इस मंदिर का असली नाम सहस्रबाहु मंदिर है। लेकिन लोग इसे सास बहू मंदिर के नाम से ही जानते हैं। इस मंदिर का निर्माण ग्यारहवीं सदी की शुरुआत में किया गया था। ये मंदिर विकसित शैली और बेहतरीन अलंकरण के लिए जाना जाता है। मंदिर का परिसर 32 मीटर लंबा और 22 मीटर चौड़ा है। इस मंदिर का निर्माण कछवाहा वंश के शासक महिपाल ने करवाया था। महिपाल भगवान विष्णु का भक्त था। कहा जाता है कि उसने ये मंदिर अपनी पत्नी और बहू के लिए बनवाया। इसलिए इस मंदिर का नाम सास बहू का मंदिर रखा गया। इस मंदिर का निर्माण ऊंचे जगत पर किया गया। इसमें प्रवेश के लिए पूर्व में मकरतोरण द्वार है। वहीं मंदिर पंचायतन शैली में बनाया गया है। मुख्य मंदिर के चारों तरफ देवताओं का कुल बसता है। हर मंदिर में पंचरथ गर्भगृह, खूबसूरत रंग मंडप बनाए गए हैं। सास बहू यानी सहस्रबाहु मंदिर मूल रूप से भगवान विष्णु को समर्पित है। इसके अलावा मंदिर परिसर में दूसरा प्रमुख मंदिर भगवान शिव का है। इन मंदिरों में ब्रह्मा, विष्णु, शिव, राम, कृष्ण, बलराम सभी विराजते हैं। मंदिर के प्रवेश द्वार पर मां सरस्वती की मूर्ति लगाई गई है।

भाजपा चुनाव बाद फिर ले आएगी कृषि कानून : अखिलेश यादव

» आगामी चुनाव में जनता इन्हें माफ नहीं साफ करेगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कृषि कानून वापसी को चुनावी दांव बताते हुए कहा है कि इनका दिल साफ नहीं है। चुनाव बाद यह लोग फिर कृषि बिल लेकर आएंगे। केंद्र सरकार को इस्तीफा देना चाहिए। माफी मांगने वालों को अब राजनीति छोड़ देनी चाहिए। जनता अब इन्हें माफ करने के बजाए आने वाले वक्त में इन्हें साफ करने का काम करेगी। वोट के लिए कानून वापस ले लिए गए हैं क्योंकि सरकार चुनावों से डरती है।

अखिलेश यादव ने कहा कि इन कानूनों की वापसी अहंकार की हार और किसानों की जीत है। जिस मंत्री ने लखीमपुर में किसानों को कुचला उसको भी बर्खास्त किया जाए। अखिलेश ने कहा कि सैकड़ों किसानों की सच्ची मौत के सामने किसी की झूठ की माफी नहीं चलेगी। यह लोग सोच रहे हैं कि दिखावटी माफी मांग कर फिर से आएंगे। सपा मुखिया ने कहा कि अगर इनकी नीयत साफ होती तो पहले ऐसा फैसला कर लेते।

मारे गए किसान क्या जिंदा हो जाएंगे?

समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और सांसद रामगोपाल यादव ने केंद्र की बीजेपी सरकार पर पटलवार करते हुए निशाना साधा। झांसी पहुंचे सपा के वरिष्ठ नेता रामगोपाल यादव ने कहा कि किसान बिल वापस लेना भाजपा का चुनावी स्टंट है। उन्होंने कहा कि माफी मांगने से क्या किसान वापस जिंदा हो जाएंगे जो आंदोलन में शहीद हुए। रामगोपाल ने आगे कहा कि भाजपा से ज्यादा देश को किसी ने भ्रमित और धोखे में नही रखा। उन्होंने कहा यूपी में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव में बीजेपी बुरी तरह से हार रही है।

हमारी रथयात्रा में जनसमर्थन से डरकर वापस लिए काले कानून

इससे पहले अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल से बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा अखिलेश यादव ने कहा कि अमीरों की भाजपा ने भूमि अधिग्रहण व काले कानूनों से गरीबों-किसानों को ठगना चाहा। कील लगाई, बाल खींचते कार्टून बनाए, जीप चढ़ाई लेकिन सपा की पूर्वांचल की विजय यात्रा के जन समर्थन से डरकर काले-कानून वापस ले ही लिए। भाजपा बताए सैंकड़ों किसानों की मौत के दोषियों को सजा कब मिलेगी।

रक्षामंत्री के प्रतिनिधि की एलडीए और नगर निगम में नहीं हो रही सुनवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह के प्रतिनिधि डॉ. राघवेंद्र शुक्ला व दिवाकर त्रिपाठी द्वारा कई बार पत्राचार करने के बाद भी डेढ़ सौ मीटर रोड न तो लखनऊ विकास प्राधिकरण बना रहा है और न निगम। इसके कारण चिनहट तिराहे से हाईकोर्ट की तरफ जाने वाली सर्विस लेन पूरी तरह से खराब हो चुकी है। सड़क के किनारे अतिक्रमण हावी है। नगर निगम कहता है कि एलडीए बनवाएगा और लखनऊ विकास प्राधिकरण कहता है कि यह क्षेत्र नगर निगम के अंतर्गत आता है। दोनों विभागों की खींचतान में रक्षामंत्री के प्रतिनिधि की सुनवाई अधर में लटकी हुई है।

मिली जानकारी के मुताबिक, यह पत्राचार अगस्त 2021 से चल रहा है। इसका खामियाजा यहां रहने वाले सैकड़ों आवंटी भुगतने को विवश हैं। लखनऊ विकास प्राधिकरण और नगर निगम की नूरा कुश्ती में लोग जर्जर सड़क पर चलने के लिए मजबूर हैं। यह हाल तब है जब रक्षामंत्री के प्रतिनिधि द्वारा लविप्रा व नगर निगम को पत्र लिखा गया है। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि इन दोनों विभागों में काम करवाना कितना मुश्किल हैं। जब जनप्रतिनिधि अपना काम नहीं करवा पा रहे तो आम जनता यहां कैसे काम करवा पाएगी। बता दें कि अवस्थापना का कई सौ करोड़ रुपये दोनों विभागों के पास मौजूद है।

लखनऊ। लायन्स क्लब लखनऊ अमन बैनर के तले क्लब की अध्यक्षा ममता सिंह ने राजधानी में जरूरतमंद बच्चों को स्वेटर वितरित किए। साथ ही बच्चों को खाना भी खिलाया। राधिका कोचर, सुनीति श्रीवास्तव, ममता पांडेय, सुरेखा रंजन आदि का भी विशेष सहयोग रहा।

महाराजा बिजली राजकीय कॉलेज में विषयीय परिषद का उद्घाटन

» छात्र/छात्राओं को परिषद के तहत होने वाली गतिविधियों के बारे में दी जानकारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आशियाना में महाराजा बिजली राजकीय महाविद्यालय की मीडिया कोऑर्डिनेटर डॉ. सनोबर हैदर ने बताया कि कॉलेज की प्राचार्य प्रो. डॉ. सुमन गुप्ता के कुशल मार्गदर्शन में सत्र 2021-22 हेतु छात्र / छात्राओं के सर्वांगीण विकास के लिए विषयीय परिषद का उद्घाटन का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में छात्र/छात्राओं को परिषद के तहत होने वाली गतिविधियों से परिचित कराया गया एवं परिषद में उनकी भूमिका और सहभागिता की उपयोगिता को बताते हुए उनके आत्मविश्वास और किसी भी कार्य को कर सकने के लिए क्षमता का बोध कराया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक एवं सभी संकाय के छात्र/ छात्राओं ने सहभागिता की।

मीडिया कोऑर्डिनेटर डॉ. सनोबर हैदर ने बताया कि इस कार्यक्रम की शुरूआत प्राचार्य द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के द्वारा किया गया। छात्र/छात्रा प्रतिनिधि द्वारा प्राचार्य एवं वरिष्ठ प्राध्यापकों का स्वागत पुष्प प्रदान करके किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. दीप्ति सोनकर ने किया। इस अवसर पर कराई गयी सामान्य ज्ञान (क्विज) प्रतियोगिता को डॉ. अजीत कुमार द्वारा ने सम्पन्न कराया, जिसमें 42 छात्र / छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभागिता किया। इसमें एमए समाजशास्त्र के छात्र जितेन्द्र कुशवाहा ने प्रथम पुरस्कार, बीकाम तृतीय वर्ष के छात्र कुलदीप कुमार ने द्वितीय पुरस्कार एवं प्रशान्त कुमार ने तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया।

हमें किसी का मतांतरण नहीं कराना है जीने का तरीका सिखाना है: भागवत

» संघ प्रमुख ने कार्यक्रम में पढ़ाया धर्मपरायणता का पाठ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बिलासपुर। आरएसएस प्रमुख डॉ. मोहन भागवत ने बिना नाम लिए मिशनरियों पर निशाना साधते हुए कहा कि हमें किसी का मतांतरण नहीं करवाना है, बल्कि जीने का तरीका सिखाना है। हमारा जन्म भारत भूमि में हुआ है। हमारा पंथ किसी की पूजा पद्धति, प्रांत और भाषा बदले बिना अच्छा मनुष्य बनाता है। किसी को बदलने की चेष्टा न करें। सबका सम्मान करें।

आरएसएस प्रमुख ने छत्तीसगढ़ के मुंगेली जिले के मदकूद्वीप में आयोजित घोष शिविर में कहा कि मेरा सौभाग्य है कि देव दीपावली के अवसर पर मैं हरिहर क्षेत्र में हूं। हम सबमें भावात्मक एकता आनी चाहिए। हमारी आवाज अलग-अलग हो सकती है। रूप अलग-अलग हो सकते हैं लेकिन, सुर एक होना चाहिए। हम सबका मूल

एक आधार पर टिका है। संघ प्रमुख डा. भागवत ने धर्म ग्रंथों में उल्लेखित बातों का उल्लेख करते हुए कहा कि सदियों से यह चला आ रहा है कि हम पराई स्त्री को माता मानते हैं और दूसरे का धन संपदा हमारे लिए कीचड़ के समान है। हमको खुद जिस बात से बुरा लगता है, हम दूसरों के साथ वैसा व्यवहार कतई नहीं करते। हमारे अपने नागरिक अधिकार हैं। संविधान की प्रस्तावना है। हमारे नागरिक कर्तव्य भी हैं। इन सभी बातों को हमें गंभीरता के साथ लेना चाहिए।

लखनऊ में धूमधाम से मनी देव दीपावली

» रंगोली बनाकर दिया जय श्री राम का संदेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। काशी ने इस बार देव दीपावली पर अयोध्या का रिकार्ड तोड़ दिया। अयोध्या में दीपावली पर 12 लाख दीये जलाए गए थे। जबकि वाराणसी में देव दीपावली के मौके पर 84 गंगा घाटों पर 15 लाख दीये जलाए गए। 2 लाख से ज्यादा लोग 84 घाटों पर पहुंचे। पर्यटकों ने गंगा में नौका की सवारी की।

गंगा में छोटे से लेकर बड़े सभी नाव, स्टीमर और क्रूज पर पर्यटकों ने पार्टी की। सैम मानिक शॉ और अलकनंदा क्रूज की महंगी सवारी भी पर्यटकों को खूब पसंद आई। सबसे आकर्षित करने वाला दृश्य राज चेत सिंह घाट पर दिखा। यहां लेजर लाइट और साउंड से बाबा विश्वनाथ का तांडव नृत्य व काशी का अध्यात्म दिखाया गया। वहीं राजधानी लखनऊ में भी देव

दिवाली पर्व मनाया गया। मां मनपूर्णा मंदिर टिकैतराय एलडीए कॉलोनी के प्रांगढ़ में 1100 दीप प्रज्जवलित कर देव दीपावली का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर नागेंद्र अवस्थी, राजेश मिश्रा(राजन), नोटेश किशोर दीक्षित, प्रियांशु दीक्षित, दीपांशु दीक्षित, अमन अवस्थी, ऋषि दीक्षित, सरोज गुप्ता, शिवनाथ सैनी सहित स्थानीय निवासी मौजूद थे।

गंगा शहरों की श्रेणी में वाराणसी को मिला पहला स्थान

स्वच्छता रैंकिंग में 12वें नंबर पर लखनऊ

» इंदौर लगातार 5वीं बार सबसे स्वच्छ शहर घोषित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद स्वच्छ शहरों को स्वच्छ सर्वेक्षण पुरस्कार 2021 प्रदान कर रहे हैं। केंद्र सरकार द्वारा इंदौर को लगातार 5वीं बार भारत का सबसे स्वच्छ शहर घोषित किया गया है। मप्र का इंदौर पहले स्थान पर रहा तो राष्ट्रपति कोविन्द ने गुजरात के सूरत और आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा को देश के दूसरे और तीसरे सबसे स्वच्छ शहर बनने पर सम्मानित किया। वहीं केंद्र सरकार के वार्षिक स्वच्छता सर्वेक्षण में सबसे स्वच्छ गंगा शहरों की श्रेणी में यूपी के वाराणसी को पहला स्थान मिला है। जबकि महापौर संयुक्ता भाटिया के कार्यकाल में कड़े कॉम्पिटिशन के बावजूद 269 से 12वें नंबर पर लखनऊ रहा। मेयर संयुक्ता भाटिया की माने तो यूपी का सबसे साफ शहर लखनऊ बना है।

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने आज देश के 342 साफ शहरों को सम्मानित किया। इन शहरों को स्वच्छ सर्वेक्षण 2021 में स्वच्छ और कचरा मुक्त होने के लिए कुछ स्टार रेटिंग से सम्मानित किया गया है। दिल्ली के विज्ञान भवन में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय ने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन-शहरी 2.0 के तहत भारत को कचरा मुक्त बनाने के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दृष्टकोण की तर्ज पर कचरा-मुक्त शहरों की श्रेणी के तहत प्रमाणित शहरों को इस समारोह में भी पुरस्कृत किया गया है। वहीं लखनऊ देश में 12वें और प्रदेश में पहले नंबर पर है। उत्तर प्रदेश में गाजियाबाद दूसरे और कानपुर तीसरे नंबर पर है। पिछली बार उत्तर प्रदेश में कानपुर चौथे नंबर पर था।

एक साल में कई काम हुए

- स्वच्छ भारत मिशन के तहत कई निजी शौचालय बनवाए गए।
- गांव खुले में शौच से फ्री हुए।
- कम्युनिटी और पब्लिक टॉयलेट बने।
- दिन के अलावा रात के शिफ्ट में भी सफाई शुरू करवाई गई।
- कूड़ाघर मैकेनाइज किए गए।
- अवैध डंपिंग जोन हटाए गए
- कॉम्पैक्टर लगाए गए। इससे सड़कों पर कूड़ा नहीं फैलता।
- डोर टु डोर कूड़ा कलेक्शन का दायरा बढ़ाया गया।

नगर आयुक्त अजय कुमार द्विवेदी का कहना है कि शहर में सफाई व्यवस्था में काफी सुधार हुआ है। इसी का नतीजा है कि रैंकिंग सुधरी है। 2016 में मिलियन प्लस शहरों की कैटिगरी में 28वें नंबर पर रहने वाला लखनऊ 2017 में 51वें नंबर पर पहुंच गया था। 434 शहरों की लिस्ट में लखनऊ देश में 269वें और यूपी में 10वें नंबर पर था।

2017 में 51वें नंबर पर था

पांच करोड़ से अधिक आए फीडबैक

मंत्रालय के अनुसार, इस बार के स्वच्छ सर्वेक्षण में 4320 शहरों को शामिल किया गया है जो दुनिया का सबसे बड़ा स्वच्छता सर्वेक्षण है। साल 2016 में इस कदम की शुरुआत पर सिर्फ 73 प्रमुख शहरों को सर्वेक्षण में शामिल किया गया था। मंत्रालय ने कहा कहा इस साल के सर्वेक्षण की सफलता इस बार नागरिकों से मिले फीडबैक की संख्या के आधार पर आंकी गई है। इस बार पांच करोड़ से अधिक फीडबैक आए। यह संख्या पिछले साल 1.87 करोड़ थी।

बीमा कंपनियों को हर कीमत पर देना होगा मोटर दुर्घटना मुआवजा: सुप्रीम कोर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के दो जजों की खंडपीठ ने अपने फैसले में कहा कि जिसकी मृत्यु के समय कोई आय नहीं थी, उनके कानूनी उत्तराधिकारी भी भविष्य में आय में वृद्धि को जोड़कर भविष्य की संभावनाओं के हकदार होंगे। जस्टिस एमआर शाह और जस्टिस संजीव खन्ना की पीठ ने कहा कि इस बात की उम्मीद नहीं है कि मृतक अगर किसी भी सेवा में नहीं था या उसकी नियमित आय रहने की संभावना नहीं है या फिर उसकी आय स्थिर रहेगी या नहीं।

सुप्रीम कोर्ट के सामने आए इस मामले में 12 सितंबर 2012 को हुई दुर्घटना में बीई (इंजीनियरिंग) के तीसरे वर्ष में पढ़ रहे 21 वर्ष छात्र की मौत हो गई, वह दावेदार का बेटा था। हाईकोर्ट ने मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण द्वारा दिए गए मुआवजे की राशि को 12,85,000 रुपए से घटाकर 6,10,000 रुपये कर दिया है। ट्रिब्यूनल द्वारा दिए गए 15,000 रुपए प्रति माह की बजाय मृतक की आय का आकलन 5,000 रुपए प्रति माह किया। अपील में कहा गया कि मजदूरों/कुशल मजदूरों को भी 2012 में न्यूनतम मजदूरी अधिनियम के तहत पांच रुपए प्रति माह मिल रहे थे। कोर्ट ने कहा, शैक्षिक योग्यता और पारिवारिक पृष्ठभूमि को देखते हुए और जैसा कि ऊपर देखा गया है, मृतक सिविल इंजीनियरिंग के तीसरे वर्ष में पढ़ रहा था, हमारी राय है कि मृतक की आय कम से कम 10,000 रुपये प्रति माह होनी चाहिए। विशेष रूप से इस बात पर विचार करते हुए कि साल 2012 में न्यूनतम मजदूरी अधिनियम के तहत भी मजदूरों/कुशल मजदूरों को पांच हजार रुपये प्रति माह मिल रहे थे।

यूनियन ऑफ इंडिया का तर्क खारिज

यूनियन ऑफ इंडिया द्वारा उठाए गए इस तर्क को कोर्ट ने खारिज कर दिया कि मृतक नौकरी नहीं कर रहा था और हादसे के समय भविष्य में आय की संभावना/भविष्य की आय में वृद्धि के लिए और कुछ नहीं जोड़ा जाना है। नेशनल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड बनाम प्रणय सेठी और अन्य का जिक्रकरते हुए कोर्ट ने कहा, हम कोई कारण नहीं देखते हैं कि उक्त सिद्धांत को क्यों लागू नहीं किया जा सकता है, जो वेतनभोगी व्यक्ति या मृतक एक निश्चित वेतनभोगी मृतक पर लागू होता है, जो मृतक के लिए सेवा नहीं कर रहा था या उसके पास दुर्घटना के समय कोई आय नहीं था।

योगी के मंत्री बोले- मुख्तार अंसारी का राजनीतिक शूटर है ओम प्रकाश राजभर

» अनिल राजभर ने कहा- शूट करके भेज दूंगा घर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंदौली। योगी सरकार में कैबिनेट मंत्री अनिल राजभर देव दीपावली के अवसर पर बलुआ गंगा घाट पहुंचे। जहां पर्यटन विकास को लेकर अपना संकल्पना दोहराई। वहीं पत्रकारों से बातचीत के दौरान चिर प्रतिद्वंदी ओमप्रकाश राजभर पर हमलावर रहे और 2022 में उन्हें शूट कर घर भेजने की बात कही।

अनिल राजभर ने आगामी चुनाव में हार के डर से कृषि कानून लिए जाने पर कहा कि ये लोग माफिया मुख्तार अंसारी के राजनीतिक शूटर बन गए हैं। हमारे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ऐसे राजनीतिक शूटरों को शूट करने की जिम्मेदारी हमको दे रखी है। 2022 में इन लोगों को हम शूट करके घर भेज देंगे। ऐसे लोगों के खिलाफ क्या प्रतिक्रिया दिया जाय। जिनका न कोई आगे है और न कोई पीछे, न कोई जवाब, न कोई सिद्धांत है। प्रधानमंत्री मोदी द्वारा कृषि कानून वापस लिए जाने के फैसले पर कहा कि हम उनके फैसले का स्वागत करते है। प्रधानमंत्री मोदी का बड़ा हृदय हैं।

सीएम योगी को दी जान से मारने की धमकी, गिरफ्तार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

धनबाद। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अराजक तत्वों के निशाने पर हैं। कई बार सोशल मीडिया के जरिये उन्हें धमकी दिए जाने की खबरें भी सामने आती रही हैं। इसी क्रम में धनबाद से कुछ ही दूरी पर पश्चिम बंगाल के रानीगंज से मोहम्मद नौशाद नाम के युवक की गिरफ्तारी की गई है। जानकारी के अनुसार इस आरोपी को यूपी पुलिस अपने साथ लेकर लखनऊ चली गई है। बताया जा रहा है कि इस आरोपी ने रानीगंज से ट्विटर पर योगी आदित्यनाथ के लिए अपशब्द कहे थे और धमकी दी थी। आरोपी नौशाद बटन बेचता है।

30 नवंबर से पहले आरएलडी-सपा का गठबंधन!

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर राष्ट्रीय लोकदल (रालोद-सपा) के अध्यक्ष जयंत चौधरी ने समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन पर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि इस महीने यानी नवंबर के अंत तक सपा के साथ गठबंधन को लेकर फैसला ले लिया जाएगा।

जयंत ने कहा अखिलेश यादव से मिल रहे हैं, मिलते रहेंगे और साथ भी चलेंगे। सारी चीजों पर लगातार बात होती रहेगी। औपचारिक घोषणा कुछ दिनों में हो जाएगी। वहीं समाजवादी के साथ गठबंधन के औपचारिक ऐलान के बारे में पूछे जाने पर जाट नेता ने कहा कि घोषणा तो हम साथ बैठकर करेंगे, इस महीने के आखिर तक हम फैसला ले लेंगे। वहीं कृषि कानून की वापसी के ऐलान के बाद जाटलैंड के नाम से मशहूर और चौधरी खानदान की कर्मभूमि पश्चिमी उत्तर प्रदेश में बीजेपी के साथ गठबंधन की किसी संभावना को लेकर सवाल किए जाने पर जयंत चौधरी ने कहा, बीजेपी का दामन थामने का आधार क्या होगा? उत्तर प्रदेश में लोग तंग हैं। योगीजी को गवर्नेंस का पता ही नहीं है। बेरोजगारी बड़ा मुद्दा है। बड़े-बड़े वादे तो करते हैं, लेकिन महिलाओं के खिलाफ जो हो रहा है उस पर कुछ नहीं करते हैं।

» आरएलडी मुखिया जयंत चौधरी ने कहा- इसी महीने के अंत तक हम आ जाएंगे साथ

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।